अच्छे निर्णय लेना हर स्तर पर एक महत्वपूर्ण कौशल है।
-पीटर ड्रकर

मूल्य ₹ 3/-

सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 12 ● अंक 84 पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार 30 अप्रैल, 2026

एक बार फिर मुंबई इंडियंस की हुई... 7 | आप की टूट के बाद भाजपा पर... 3 | 'भाजपा ले एसप्रेसवे बनाना समाजवादियों... 2

अब... एक्जिट पोल के सहारे नैरेटिव की जंग

सैंपल, साइंस और सच्चाई सर्वे के तीनों टूल पर उठते सवाल

» ज्यादातर पोल एक तरफा लेकिन मुकाबले में ममता बनर्जी की मजबूत मौजूदगी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में एक बार फिर एक्जिट पोल के सहारे ऐसे नैरेटिव को सेट करने की कोशिश की जा रही है जो संदेह के घेरे में हैं। नतीजे आए भी नहीं हैं और जीत हार का ऐलान टीवी पर हो चुका है। सवाल सीधा है यह एक्जिट पोल हैं या दिमाग में रिजल्ट फिक्स करने की कोशिश, जी हां एक्जिट पोल का शोर पूरे देश में गूंज रहा है। हर चैनल हर स्क्रीन किसकी सरकार? कौन जीतेगा? कौन हारेगा? के नारे लगाने में व्यस्त है। लेकिन आज हम सवाल पूछेंगे कि टीवी स्क्रीन पर जो आंकड़े दिखाये जा रहे हैं यह सच हैं या फिर सिर्फ एक कहानी जो आपको दिखाई जा रही है? पश्चिम बंगाल के एक्जिट पोल्स को अगर ध्यान से देखा जाए तो तस्वीर उतनी सीधी नहीं है जितनी आपको परोसी जा रही है।

कई सर्वे भले ही एक दिशा में इशारा कर रहे हों लेकिन लगभग हर पोल में ममता बनर्जी और उनकी पार्टी को सीधी टक्कर देते हुए दिखाया गया है। अब बड़ा सवाल यही है कि एक्जिट पोल बनते कैसे हैं? कितने लोगों से इन पोल में बात की गई होती है? और किस इलाके से डाटा लिया गया होता है? सवाल यह भी है कि सर्वेअर ने जिन लोगों से सवाल पूछे हैं तो वोटर ने क्या उन्हें सही जवाब दिया है? इसके अतिरिक्त सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि अगर सर्वे इतने सटीक हैं तो पिछले चुनावों में बार बार गलत कैसे साबित हुए? आप यकीन जानिये यह सिर्फ डाटा नहीं है यह एक नैरेटिव वार है। चुनाव खत्म होते ही टीआरपी की रेस शुरू हो जाती है। विज्ञापन, बहस, ग्राफिक्स सब मिलकर एक माहौल बनाते हैं। और इसी माहौल में एक कहानी गढ़ी जाती है जो जरूरी नहीं कि पूरी सच्चाई हो। एक्जिट पोल की साइंस लंबे समय से कटघरे में है। पिछले कई चुनावों में ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जहां ये अनुमान जमीन से पूरी तरह कटे हुए निकले। फिर भी हर चुनाव के बाद इन्हें उसी आत्मविश्वास के साथ परोसा जाता है जैसे यह अंतिम सच हो। और फिर आता है सबसे बड़ा पहलू मार्केट का। चुनाव के बाद का यह दौर टीआरपी विज्ञापन और दर्शकों की दिलचस्पी का चरम होता है। एक्जिट पोल सिर्फ डाटा नहीं रहते वह बन जाते हैं जहां आंकड़ों से ज्यादा असर प्रस्तुति का होता है।

टीवी स्क्रीन पर जो आंकड़े दिखाये जा रहे हैं क्या यह सच हैं या फिर सिर्फ एक कहानी जो आपको दिखाई जा रही है?

कुल सीट- 294 | बहुमत- 148

दल	सीटें
BJP	146-161
TMC	125-140
अन्य	6-10

सवाल सीधा है यह एक्जिट पोल हैं या दिमाग में रिजल्ट फिक्स करने की कोशिश, जी हां एक्जिट पोल का शोर पूरे देश में गूंज रहा है।

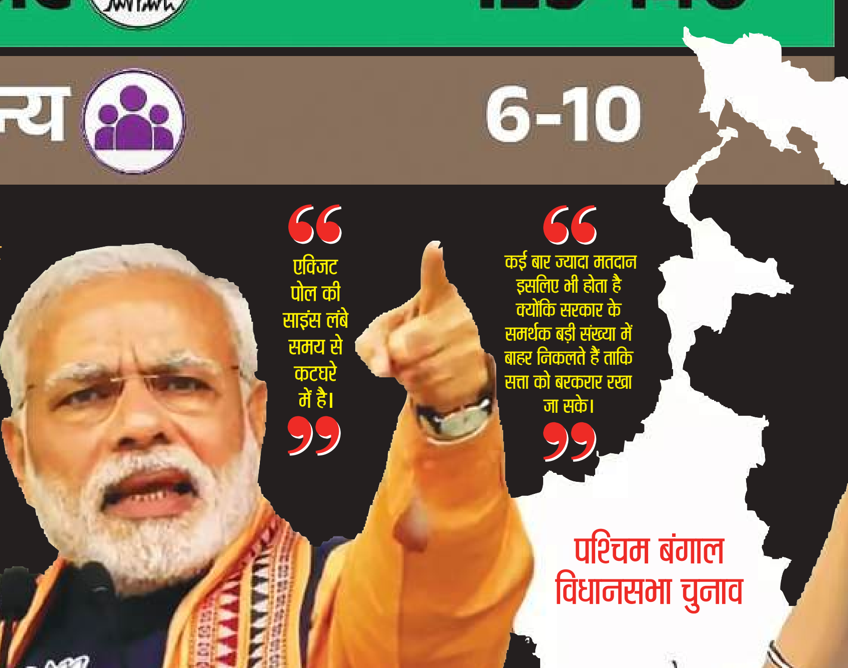

"एक्जिट पोल की साइंस लंबे समय से कटघरे में है।"

"कई बार ज्यादा मतदान इसलिए भी होता है क्योंकि सरकार के समर्थक बड़ी संख्या में बाहर निकलते हैं ताकि सत्ता को बरकरार रखा जा सके।"

बदलते चुनावी व्यवहार की नई कहानी

काफी समय से एक धारणा सी चली आ रही है कि अगर मतदान प्रतिशत ज्यादा है तो जनता सत्ता के खिलाफ है और बदलाव चाहती है। लेकिन हाल के वर्षों में यह थ्योरी कई बार टूटती दिखाई दी है। अब अधिक मतदान को सिर्फ एंटी-इंकम्बेंसी यानी सत्ता विरोध के चश्मे से देखना वास्तविकता को अधूरा समझना होगा। सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि वोटिंग का बढ़ना अपने आप में लोकतंत्र की सेहत का संकेत है लेकिन उसके पीछे का कारण हर बार एक जैसा नहीं होता। कई बार ज्यादा मतदान इसलिए भी होता है क्योंकि सरकार के समर्थक बड़ी संख्या में बाहर निकलते हैं ताकि सत्ता को बरकरार रखा जा सके। यानी उच्च मतदान अब सिर्फ गुस्से का नहीं बल्कि समर्थन का भी संकेत माना जाता है। पिछले कुछ चुनावों ने यह ट्रेंड साफ किया है। कि ऐसे उदाहरण सामने आए हैं जहां भारी मतदान के बावजूद मौजूदा सरकार को दोबारा जनादेश मिला। इसका मतलब यह है कि मतदाता अब ज्यादा सक्रिय हो गया है वह सिर्फ विरोध में नहीं बल्कि समर्थन में भी उतनी ही मजबूती से वोट डाल रहा है।

बंगाल में आमने-सामने का चुनाव

दूसरा बड़ा कारण है चुनावी प्रतिस्पर्धा का बढ़ना। जब मुकाबला कड़ा होता है तो दोनों पक्ष अपने समर्थकों को बूथ तक लाने में पूरी ताकत झोंकते हैं। इससे कुल मतदान प्रतिशत बढ़ता है लेकिन यह जरूरी नहीं कि इसका फायदा सिर्फ विपक्ष को ही मिले। कई बार सत्तारूढ़ दल की संगठनात्मक क्षमता और बेहतर मैनेजमेंट उसे इस बढ़े हुए मतदान का लाभ दिला देते हैं। महिला मतदाताओं और युवा वर्ग की बढ़ती भागीदारी भी इस बदलाव का अहम हिस्सा है। सरकारी योजनाओं सामाजिक सुरक्षा और विकास से जुड़े मुद्दों ने एक बड़े वर्ग को सक्रिय रूप से वोटिंग में शामिल किया है। यह मतदाता केवल असंतोष के आधार पर नहीं बल्कि अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर वोट करते हैं। इसलिए उनका वोट कभी सत्ता विरोध में नहीं जाता। इसके अलावा चुनाव अब सिर्फ स्थानीय मुद्दों तक सीमित नहीं रह गए हैं। राष्ट्रीय नैरेटिव नेतृत्व की छवि और कल्याणकारी योजनाओं का असर भी मतदान पर पड़ता है। ऐसे में ज्यादा मतदान का अर्थ कई स्तरों पर बंट जाता है कहीं बदलाव की चाह कहीं स्थिरता की उम्मीद और कहीं राजनीतिक पहचान की अभिव्यक्ति। इसलिए आज के दौर में यह कहना कि ज्यादा मतदान सरकार के खिलाफ लहर एक अधूरा और कई बार भ्रामक निष्कर्ष हो सकता है। सच्चाई यह है कि ज्यादा मतदान अब एक संकेत है लेकिन दिशा नहीं बताता। दिशा तय होती है मतदाता के मन से जो हर चुनाव में नया गणित लिखता है।

'भाजपा ने एक्सप्रेसवे बनाना समाजवादियों से सीखा'

महंगाई तभी कम होगी जब बुरे दिन जाएंगे : अखिलेश यादव

» प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर सपा प्रमुख ने कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एकबार फिर बीजेपी पर वार किया है। उन्होंने गंगा एक्सप्रेसवे को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि इन लोगों ने एक्सप्रेसवे बनाना भी समाजवादियों से सीखा है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गंगा एक्सप्रेसवे के उद्घाटन को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर तंज कसा है।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि ये आज जो एक्सप्रेसवे का उद्घाटन कर रहे हैं उसे समाजवादियों ने सिखाया है। आधा-अधूरा एक्सप्रेस वे बना रहे हैं। अखिलेश यादव ने आज लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए महिला आरक्षण से लेकर तमाम मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम बंगाल का चुनाव खत्म होते ही सरकार हिसाब लगाने लगेगी कि किसका क्या करना है? महंगाई तभी कम होगी जब बुरे दिन जाएंगे। नोएडा से आगरा एक्सप्रेसवे समाजवादियों की देन है। इनर वे और लखनऊ पखनपुरा तक समाजवादियों की देन है। इन पर सुविधाएं थी ये ऐसे भी बना दिये। प्रधानमंत्री जब पहली बार आगरा आये थे तब उन्होंने कहा था आगरा बड़ा अर्थ दे सकता है तब आगरा के लिए क्या किया?

अपने लोगों को लाभ देकर पूरी अर्थव्यवस्था को चौपट किया

अखिलेश यादव ने कहा कि सरकार ने अपने लोग को लाभ देकर पूरी अर्थव्यवस्था को चौपट कर दिया है, बेस्ट इलेक्शन का सिस्टम जो पूरी दुनियां डेवलप कंट्री अपना रही है वहां बैलेट है जापान और जर्मनी में बैलेट से वोट पड़ता है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय इनको हराकर बैलेट व्यवस्था लागू हो इसके लिए प्रयास करेंगे।

सपा विधायक ने सूखे स्विमिंग पूल में की तैराकी

उत्तर प्रदेश के कानपुर में नगर निगम द्वारा फूल बाग स्थित नाना राव पार्क में स्विमिंग पूल को चालू करने में करोड़ों रुपए खर्च किए थे, लेकिन इस भीषण गर्मी में अभी तक ये स्विमिंग पूल चालू नहीं हो पाया है। जिसे लेकर समाजवादी पार्टी के विधायक अमिताभ बाजपेई ने एक अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। जहां वो सूखे पूल में ही अपने कार्यकर्ताओं के साथ स्विमिंग करने पहुंच गए। समाजवादी पार्टी से विधायक अमिताभ बाजपेई अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं के साथ नाना राव पार्क पहुंचे, जहां वो पार्क में बने स्विमिंग पूल की हालत देखकर हैरान रह गए। भीषण गर्मी के बीच भी इस पूल में पानी की एक बूँद नहीं थी, जिसके बाद उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं के साथ स्विमिंग पूल में प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। सपा विधायक ने स्विमिंग पूल के अंदर ही एक बैनर लगाया जिसमें स्विमिंग पूल की जगह स्लीपिंग पूल लिखा गया था। अमिताभ वाजपेयी ने कहा कि जिस तरह से नगर निगम के अधिकारी सो रहे हैं तो उनको जगाने के लिए स्विमिंग पूल को स्लीपिंग पूल बनाया गया है।

सपा मेल मिलाप और हिन्दुस्तानियत की बात करती है

समाजवादी पार्टी मेल मिलाप और हिन्दुस्तानियत की बात करती है। सबको साथ रखने की बात करती है, समाजवादी पार्टी का नाम संविधान से लिया हुआ है। हम भेदभाव मिटाना चाहते हैं। सपा हर किसी को साथ लेकर जोड़कर काम करना चाहती है।

बंगाल में ममता दीदी ही जीतेंगी

सपा अध्यक्ष ने कहा कि बंगाल में दीदी ऐतिहासिक वोट से जीतने जा रही हैं। बंगाल का मॉडल नीचे से ऊपर तक केंद्रीय सुरक्षा बलों का पैरलल स्ट्रक्चर खड़ा कर दिया है, जो अधिकारी बैठाए गए हैं या तो उनकी नस दबी है या तो लाभ लिया गया है या तो आगे का वायदा किया होगा।

इस समय यूपी में सपा के पक्ष में हवा चल रही

महिला आरक्षण पर सपा मुखिया ने कहा कि जो एक्ट बन गया है, जिसमें महिला आरक्षण कानून बन गया है, बीजेपी चाहे तो अगले चुनाव में लागू कर दें लेकिन ये लोग परहेज कर रहे है, वहीं बीजेपी विधायक अनुपमा जायसवाल से मुलाकात को अखिलेश यादव ने सामान्य व्यवहारिक बातचीत बताया। उन्होंने कहा कि इस समय यूपी में सपा के पक्ष में हवा चल रही है।

जिस दिन मैं बीजेपी में जाऊं मेरे मुंह पर कालिख पोती जाए : संजय सिंह

» ऑपरेशन लोटस का जवाब ऑपरेशन पीटस करेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बड़ा बयान दिया। लखनऊ में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि मैंने खुलेआम कहा है कि जिस दिन मैं भारतीय जनता पार्टी में जाऊं, मेरी पार्टी के कार्यकर्ता और इस देश की जनता, जहां पाए मेरे चेहरे पर कालिख लगा दे।

क्या पंजाब के आप विधायक भी बीजेपी में शामिल होंगे, इस सवाल पर संजय सिंह ने कहा, ये झूठी और बेबुनियाद बात है उन्होंने ईडी और सीबीआई का इस्तेमाल करके ऑपरेशन लोटस राज्यसभा के सांसदों पर चला लिया हम लोग सचेत हैं, ऑपरेशन लोटस का जवाब ऑपरेशन पीटस के साथ पंजाब में उनको दिया जाएगा। आप भी बीजेपी में जाएंगे, इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आप सांसद ने कहा, मोदी जी से पूछिए कि हिंदुस्तान में कौन सा ऐसा व्यक्ति है जो उनके साथ नहीं जाएगा तो वो करेंगे कि संजय सिंह. मरते दम तक भारतीय जनता पार्टी में जाने का दूर दूर तक कोई प्रश्न ही नहीं उठत।

आप यूपी में पंचायत चुनाव लड़ेगी

2027 में यूपी विधानसभा सीटों पर आम आदमी पार्टी कितनी सीटों पर लड़ेगी, इस पर उन्होंने कहा, अभी पंचायत चुनाव का समय है. अभी पंचायत चुनाव की तैयारी में हैं, उसके बाद लौटकर आपको बताएंगे।

4 मई के बाद पश्चिम बंगाल से बीजेपी के गुंडे भागेंगे

पश्चिम बंगाल चुनाव पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, 4 तारीख के बाद आपको पता चल जाएगा कि बीजेपी के गुंडे बंगाल छोड़कर भागेंगे या पंचर बनाते नजर आएंगे। पूरा देश देख रहा है कि एसआईआर के जरिए वोट की चोरी, ऊपर से क्रेंदीय सुरक्षा बल, केंद्रीय सुरक्षा बल के जरिए मतदाताओं को डराना-धमकाना, ऊपर से ईडी-सीबीआई के जरिए नेताओं को गिरफ्तार करना कई चरण में चुनाव को प्रभावित करने के लिए पीएम मोदी ने तरीका बना लिया है।

प्रदेश में अपराधियों को मिल रहा संरक्षण : स्वामी प्रसाद मौर्य

» पूर्व मंत्री ने जनांदोलन की दी चेतावनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ । स्वामी प्रसाद मौर्य ने उत्तर प्रदेश की कानून-व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार आपराधिक घटनाएं हो रही हैं, लेकिन सरकार उदासीन बनी हुई है और कानून-व्यवस्था लगातार बिगड़ रही है। मौर्य ने हरदोई, गाजीपुर, फतेहपुर, प्रतापगढ़, एटा और बुलंदशहर की हालिया घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि कई मामलों में आरोपी अब तक फरार हैं।

उन्होंने फतेहपुर के खागा क्षेत्र की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि साधना मौर्य के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में मुख्य आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित होने के बावजूद गिरफ्तारी नहीं हुई है। साथ ही शेष आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण मिलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा के दावों के विपरीत दिनदहाड़े अपराध हो रहे हैं और गरीब, पिछड़े, ओबीसी तथा एससी समाज के लोगों पर अत्याचार बढ़ रहे हैं। मौर्य ने आरोप लगाया कि सरकार की निष्क्रियता से प्रदेश में गुंडाराज स्थापित हो गया है। उन्होंने सरकार से अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर कानून का राज कायम करने की मांग की। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि अपराधों पर रोक नहीं लगी तो सरकार को जगाने के लिए बड़ा जनांदोलन चलाया जाएगा।

50 प्रतिशत आबादी के बावजूद हक से वंचित : सिंघार

» ओबीसी आरक्षण पर नेता प्रतिपक्ष ने सरकार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने ओबीसी आरक्षण को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मीडिया से बातचीत करते हुए सरकार पर आरोप लगाया कि प्रदेश में 50 प्रतिशत से अधिक आबादी होने के बावजूद ओबीसी वर्ग को उनके अधिकारों से वंचित रखा जा रहा है।

सिंघार ने कहा कि सरकार ओबीसी वर्ग के वोट तो चाहती है, लेकिन उन्हें उनका वास्तविक हक देने को तैयार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ओबीसी समाज के नाम पर राजनीति तो की जा रही है, लेकिन उनके संवैधानिक अधिकारों को लेकर ठोस निर्णय नहीं लिया जा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि ओबीसी आरक्षण से जुड़े मामले को अदालत के भरोसे छोड़ दिया गया है, जबकि सरकार को स्वयं इस दिशा में स्पष्ट और ठोस नीति बनानी चाहिए थी। उन्होंने उम्मीद जताई कि हाईकोर्ट में लंबित मामले में ओबीसी वर्ग को न्याय मिलेगा। सिंघार ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब ओबीसी वर्ग प्रदेश की आबादी का बड़ा हिस्सा है, तो उन्हें अधिकार देने में सरकार हिचक क्यों दिखा रही है। उन्होंने इसे राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी करार दिया। किसानों की समस्याओं को उठाते हुए सिंघार ने कहा कि गेहूं खरीदी को लेकर प्रदेश में सर्वर डाउन, स्लॉट गायब और अव्यवस्थाओं के कारण किसान परेशान हैं। पहले मंडियों में पर्ची कटते ही तुलाई हो जाती थी, लेकिन अब इंटरनेट व्यवस्था के कारण किसानों का हक अटक गया है। उन्होंने कहा कि पहले ही खरीदी देर से शुरू हुई है, और अब खरीदी के दौरान लगातार बाधाएं आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि अन्नदाताओं को उनकी मेहनत का उचित मूल्य कब मिलेगा?

आप की टूट के बाद भाजपा पर सियासी शूट

राघव व उनके साथ गए सातों सांसदों पर वार

राउत, अब्दुल्ला के बाद डिंपल का भी पलटवार

» हरभजन समेत कई नेताओं की सुरक्षा पर शिकंजा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आदमी पार्टी (आप) छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसदों पर चौतरफा वार हो रहा है। कहीं वो विपक्ष के निशाने पर है तो कहीं उनके खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं। इस क्रम में जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने तंज कसते हुए कहा कि ये सांसद अपने दम पर एक भी पंचायत चुनाव नहीं जीत सकते।

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि इससे आम आदमी पार्टी को तुरंत कोई बड़ा नुकसान होगा। उधर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी व सासंद डिंपल यादव ने इस कृत को राष्ट्रद्रोह करार किया। संजय राउत ने भी राघव चड्ढा को घेरा है। इस बीच सातों सांसदों के बीजेपी में विलय के बाद उन्हें भारी सुरक्षा दी गई है। पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह अब केंद्रीय सुरक्षा के साए में रहेंगे। पंजाब सरकार द्वार सुरक्षा वापस लिए जाने के बाद केंद्र सरकार ने सुरक्षा दी है। बीजेपी में शामिल होने के बाद उनके घर पर गद्दार प्रोटेस्ट सामने आया था।

पंजाब के छह सांसदों ने छोड़ी है आप

पंजाब के छह आप सांसदों ने आप छोड़ी हैं। इनमें संदीप पाठक, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और राघव चड्ढा शामिल हैं। इनके अलावा स्वाति मालीवाल दिल्ली से राज्यसभा की सदस्य हैं। इन सभी नेताओं की बगावत के बाद आप ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए गद्दार बताया था। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इन सातों नेताओं को गद्दार बताते हुए कहा था कि जनता माफ नहीं करेगी।

राघव चड्ढा को इतनी सुरक्षा मिली

केंद्र सरकार ने राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा को श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की है। सीआरपीएफ द्वारा दिल्ली और पंजाब में सुरक्षा दी जाएगी। केंद्र सरकार ने यह निर्णय इंटेलिजेंस ब्यूरो की थ्रेट परसेप्शन रिपोर्ट के बाद लिया था, जिसमें उन्हें 20 से अधिक सुरक्षाकर्मी और सशस्त्र कमांडो सुरक्षा प्रदान करेंगे। इसमें एक एस्कॉर्ट कार, आधुनिक हथियारों से लैस कमांडो और 24 घंटे सुरक्षा का घेरा शामिल है।

मनीष सिसोदिया करेंगे डैमेज कंट्रोल?

सूत्रों की मानें तो आम आदमी पार्टी में सांसदों की बगावत के बाद अब पंजाब में डैमेज कंट्रोल की जिम्मेदारी संजय सिंह और मनीष सिसोदिया को दी गई है। दूसरी ओर, पार्टी के मौजूदा सांसदों और विधायकों को निर्देश दिया गया है कि किसी भी तरह के कॉल आने पर उन्हें रिकॉर्ड करें और पार्टी के सीनियर नेताओं को जानकारी दें।

अब पंजाब में टूट सकते है आप के विधायक

पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के सात सांसदों ने बगावती तेवर अपनाए और पार्टी का साथ छोड़ बीजेपी जॉइन कर ली। इसके बाद से पंजाब का सियासी पारा बेहद हाई है। अगले साल पंजाब के विधानसभा चुनाव भी हैं, इस बीच पार्टी आलाकमान के लिए जरूरी है कि संगठन की मजबूती बरकरार रखें। इस क्रम में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बड़ा फैसला लिया है। पंजाब में आम आदमी पार्टी संगठन बचाने और विधायकों को एकजुट रखने में जुटी हुई है। आम आदमी पार्टी के 7 राज्यसभा सांसदों (जिनमें 6 पंजाब के हैं) के बीजेपी में शामिल होने के बाद पंजाब आप राज्य में संगठन बचाने और सरकार के कामकाज

को लोगों के बीच ले जाने के काम में लग गई है। इसके लिए बुधवार, 29 अप्रैल जालंधर में पार्टी के तकरीबन 1000 ऑब्जर्वर और विधायक मीटिंग में हिस्सा लेंगे। मीटिंग के जरिए पार्टी संगठन को एकजुट रखने, विधायकों को एकजुट रखने पर जोर देगी। वहीं सरकार के कामकाज के प्रचार को लेकर भी कार्यकर्ताओं को बताया जाएगा। मीटिंग में मुख्यमंत्री भगवंत मान और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया शामिल होंगे।

हरभजन की सुरक्षा बढ़ी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने किया फैसला

एक वक्त पर आम आदमी पार्टी के पोस्टर ब्वॉय रहे राघव चड्ढा के साथ बगावत करने वाले पूर्व क्रिकेटर हरभजन अब सीआरपीएफ कमांडो की सुरक्षा में रहेंगे। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पंजाब सरकार द्वारा जेड प्लान की सिक्योरिटी वापस लिए जाने के बाद लिया है। हरभजन सिंह अब दिल्ली और पंजाब में कमांडो की सुरक्षा में रहेंगे। पंजाब सरकार ने शनिवार को हरभजन सिंह की सुरक्षा वापस ले ली थी। आप छोड़कर बीजेपी में शामिल होने के बाद पंजाब के जालंधर स्थित घर पर विरोध प्रदर्शन सामने आए थे।

दीवारों पर लिखा गया था गद्दार

हरभजन के घर की बाहरी दीवार पर स्प्रे पेंट से गद्दार (देशद्रोही) शब्द लिख दिया गया था। पंजाब में आप छोड़कर बीजेपी में शामिल हुए दो अन्य राज्यसभा सदस्यों – अशोक मित्तल और राजिंदर गुप्ता के घरों के बाहर भी इसी तरह के प्रदर्शन किए गए। राघव चड्ढा की सिक्योरिटी पंजाब सरकार ने पहले ही वापस ले ली थी। इसके बाद उन्हें भी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सुरक्षा दी थी। राज्य सभा में पार्टी के उपनेता के तौर पर पंजाब सरकार ने राघव चड्ढा को जेड प्लस की सुरक्षा दी हुई थी।

कुछ पक रही है रणनीति

दरअसल, राज्यसभा में डिप्टी लीडर के पद से हटाए जाने के बाद राघव चड्ढा ने कुछ बड़ा होने का दावा किया था, जिसे उनकी पुरानी पार्टी ने सीरियस नहीं लिया। फिर सात सांसदों के कटने के बाद पार्टी एक्टिव हुई और अब विधायकों को एकजुट रखने और पार्टी संगठन को मजबूत करने की कोशिश में जुटी है।

आम आदमी पार्टी को तुरंत कोई बड़ा नुकसान होगा : अब्दुल्ला

सीएम उमर अब्दुल्ला ने कहा कि अगर इन लोगों ने पार्टी छोड़ दी है तो ठीक है, लेकिन मुझे नहीं लगता कि इससे आम आदमी पार्टी को तुरंत कोई बड़ा नुकसान होगा। थोड़ा नुकसान होने की उम्मीद जरूर है। उन्होंने कहा कि सात राज्यसभा सांसद बीजेपी में चले गए हैं, लेकिन इनमें से कोई भी अकेले अपने दम पर एक भी सीट जीतने के काबिल नहीं है। मुझे नहीं लगता कि इनके बीजेपी में आने से जमीनी स्तर पर बीजेपी को 10 वोट का भी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि इन सांसदों में कोई भी ऐसा नहीं है कि जो पंचायत चुनाव भी अपने दम पर निकालने की क्षमता रखता है। पश्चिम बंगाल चुनाव के पहले

चरण की वोटिंग प्रतिशत पर उमर अब्दुल्ला ने कहा कि सीएम ममता बनर्जी के अपने निर्वाचन क्षेत्र में ही 25 प्रतिशत मतदाता कम हो गए हैं। पश्चिम बंगाल में ऐसी 70 सीटें हैं, जहां मतदाता सूची से हटाए गए मतदाताओं की संख्या पिछले चुनाव में भाजपा की जीत या हार के अंतर से भी ज्यादा है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैंने हमेशा से कहा है कि ईवीएम का खतरा नहीं है, बल्कि वोटर लिस्ट में धांधली का खतरा है। कोर्ट को इस पर नोटिस लेना चाहिए था, लेकिन चुनाव तक मामले को टाल दिया गया। उन्होंने कहा कि जो लोग कह रहे हैं कि मतदाताओं की संख्या बढ़ी है, वे या तो बीजेपी के प्रेस नोट को छाप रहे हैं या फिर आंकड़ों की गहराई से जांच नहीं की है। वास्तव में वोटरों की संख्या घटी है। एसआईआर की वजह से बड़ी संख्या में वोटरों को सूची से बाहर रखा गया है, जिससे वोटिंग प्रतिशत बढ़ता दिख रहा है।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

उच्च शिक्षा का सपना देख रहें युवाओं को मिले सही दिशा

इस समय पूरे देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षाबोर्डों के इंटर के रिजल्ट निकल रहे हैं। हजारों की संख्या में बच्चे उच्च शिक्षा के लिए आवेदन खोजते मिलेंगे । ऐसे में माता-पिता अध्यापकों की जिम्मेदारी है इन छात्रों को एक मार्गदर्शन दिया जाए कि अपनी योग्यता व रुचि के हिसाब से पढ़ने की योजना बनाएं ताकि उनकों उससे रोजगार का भी सृजन करने में सहयता मिले। आज भी शिक्षा नौकरी के लिए या ज्ञान के लिए, यह भारत के युवाओं के लिए एक यक्षप्रश्न बना हुआ है। आर्थिक नीतियों ने प्रति व्यक्ति उत्पादन के मद्देजनर शिक्षा की जरूरत पर बल दिया है। जाहिर है सरकारों को आगे आना होगा। युवाओं को समय रहते गाइड करना होगा। उच्च शिक्षा संस्थानों में नामांकन के लिए सीटों की संख्या का तार्किक निर्धारण करना होगा। नए-नए कौशल विकसित करने होंगे और इसकी एक सतत प्रक्रिया सुनिश्चित करनी होगी।

आज जिस एआइ ने पूरे जॉब मार्केट को हिला रखा है, उसके संभावित असर को यदि पहले ही समझ लिया गया होता तो अपेक्षाकृत कम मांग वाले क्षेत्रों में ऊंची-ऊंची डिग्री रखने वालों को नौकरी के लिए धक्के नहीं खाने पड़ते। देर जरूर हो गई है पर तुरंत इस पर ध्यान देकर सरकार नुकसान को कम कर सकती है। जीडीपी आधारित शिक्षा पर होने वाला खर्च निवेश माना जाने लगा है। माता-पिता संतान को ज्ञानवान और सुसंस्कृत बनाने के लिए खर्च नहीं कर रहे, बल्कि एक ऐसा निवेश करने लगे हैं जिससे भविष्य में मुनाफा हो सके। यही वजह है कि आज के युवा अपनी रुचियों और क्षमताओं से ज्यादा उस क्षेत्र में डिग्री चाहते हैं जिसमें ऊंची सैलरी मिल सके। लेकिन तब क्या हो जब पढ़ाई पूरी करने के बाद पता चले कि हासिल की गई डिग्री का अब पहले जैसा महत्त्व नहीं रहा और शिक्षा पर किए गए निवेश की रकम निकालने में ही वर्षों बीत जाएं। यदि बैंक से कर्ज लेकर पढ़ाई की गई है तो करेला और नीम चढ़ा की कहावत ही चरितार्थ होगी। फाइनेंस ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक-26 के आंकड़े बताते हैं कि सफलता की गारंटी मानी जा रही डिग्री अब युवाओं के लिए बोझ बनती जा रही है। बी.टेक, एमबीए और सीए जैसे प्रतिष्ठित कोर्स आज रिटर्न ऑन इनवेस्टमेंट के मोर्चे पर कमजोर पड़ते जा रहे हैं। पूरी दुनिया में कागजी डिग्री हासिल करने की होड़ पैदा करने के बाद दिग्गज उद्योगपति अब इस निष्कर्ष पर पहुंच रहे हैं कि ऐसी डिग्री उनके काम की नहीं है। नए उद्योग अब कौशल की मांग कर रहे हैं। युवाओं के जिज्ञासु दिमाग और पहल करने की क्षमता को कुंद करने वाली भेड़चाल के बाद कौशल आधारित शिक्षा की नई परिपाटी रखी जा रही है। नया करने की क्षमता को परखा जा रहा है और अपारंपरिक सोच और रचनात्मकता को महान माना जाने लगा है।

> **"आज भी शिक्षा नौकरी के लिए या ज्ञान के लिए, यह भारत के युवाओं के लिए एक यक्षप्रश्न बना हुआ है। आर्थिक नीतियों ने प्रति व्यक्ति उत्पादन के मद्देजनर शिक्षा की जरूरत पर बल दिया है। जाहिर है सरकारों को आगे आना होगा। युवाओं को समय रहते गाइड करना होगा।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पानीपत से बंगाल तक सत्ता की पैंतरेबाजी में नैतिकता

ज्योति मल्होत्रा

पांच सौ साल पूर्व, चंडीगढ़ से सिर्फ 161 किमी. दूर पानीपत शहर में 21 अप्रैल, 1526 को जहीरुद्दीन मुहम्मद बाबर ने दिल्ली सल्तनत के अंतिम व क्रूरतम सुल्तान इब्राहिम लोदी को हरा डाला और भारत में मुगल शासन की नींव रखी थी। इसके 231 साल बाद, सुदूर बंगाल में 1757 में प्लाशी के युद्धक्षेत्र में- जिसे अंग्रेजी में 'प्लासी का युद्ध' कहा जाता है- मिली हार के साथ बाबर द्वारा स्थापित यह मुगलिया साम्राज्य अपनी विराटता का अंश मात्र रह गया था। दिल्ली के लाल किले में बैठा आलमगीर द्वितीय नाममात्र का ही बादशाह था। दो साल बाद 1759 में सत्ता संभालने वाले उसके पुत्र, शाह आलम द्वितीय के बारे यह फारसी तंज आम था, 'सल्तनत-ए-शाह आलम, अज दिल्ली ता पालम' अर्थात शाह आलम की सल्तनत दिल्ली से पालम तक ही बची है (वर्तमान पुरानी दिल्ली-6 से लेकर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 तक, मात्र 30 किमी. तक)।

यहां पंजाब में, जहां गर्मियों के दिन पहले ही काफी गर्म हो चुके हैं, कोयल जोर-जोर से कूक रही है और आम के पेड़ों पर आया बोर गिर चुका है, इतिहास के इस छोटे से पाठ की जरूरत शायद ही थी। पंजाब को यह सब बताने की जरूरत नहीं, उसने पिछले 500 सालों में उससे भी पहले- हमेशा यही कुछ देखा, वह मैदानी क्षेत्र जो हमलावरों, विजेताओं, तानाशाहों, लोकतांत्रिक शासकों के लिए पसंदीदा पड़ाव रहा है। और फिर यहां बंगाल है। भारत में कहीं भी जो कुछ भी होता है, वह उपमहाद्वीप के इस हिस्से में कई गुना ज्यादा होकर घटित होता है। हरियाली अधिक हरी है, खासकर मॉनसून के दौरान। लाल रंग ज्यादा सुर्ख होता है, विशेषकर 'पूजो' के उन नौ दिनों में जब देवी अधिष्ठात्री होती है। नदियां भी अधिक लंबी हैं- कुछेक तो पंजाब की नदियों से भी, हालांकि दोनों राज्यों में ऐसी नदियां हैं जो दूसरे देशों तक बहती हैं और अन्य जातियों-धर्मों के लोगों को भी अपनी जलधारा से जीवन निर्वाह का मौका देती हैं (इसके अलावा, 1398 में, जब बाबर का पूर्वज तैमूर पंजाब को तबाह कर रहा था।

बाबर द्वारा अपने सह-धर्मी सुल्तान को हराकर हिंदुस्तान जीतने से करीब एक सौ साल पहले- बंगाल के मुस्लिम पठान शासक, मसलन गयासुद्दीन आजम शाह, रामायण जैसे हिंदू महाकाव्यों का बंगाली में अनुवाद करने को प्रोत्साहन दे रहे थे, इसके अलावा उन्होंने चीन के मिंग राजवंश के साथ कूटनीतिक संबंध स्थापित किए और फारसी कवि हाफिज के साथ मिलकर

कविताएं लिखीं)। बंगाल में सभी भावनाएं मिल-जुल कर एक साथ चलती हैं। गुस्सा, 1905 में प्रांत का बंटवारा। पुन: विलय, 1911 में फिर से एक होना। धोखा, मीर जाफर, सुवेंदु अधिकारी। धर्म, 1906 में मुस्लिम लीग का जन्म और 1977-2011 तक नास्तिक कम्युनिस्टों का 34 वर्षीय शासन। संस्कृति, जन-गण-मन और वंदे मातरम्। साम्राज्य, 1757 में प्लासी में मुगलों का पतन; 1857 में बैरकपुर में, ईस्ट इंडिया कंपनी का और ब्रिटिश राज का उत्थान और पतन। बदला, 'डायरेक्ट एक्शन डे',1946। राजनीति, 1947 में देश विभाजन। चाहे आप बंगाल से प्यार करें या नफरत, किंतु आप इसे नजरअंदाज नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह, दोनों ही इस शाश्चत सत्य को अच्छी तरह समझते हैं, कि अमर्त्य सेन का 'ऑर्ग्युमेंटेटिव इंडियन' संभवतया बंगाली ही है। इसी नाम वाली उनकी किताब की अधिकतम उद्धृत पंक्ति में सेन की दलील है कि भारत की सदियों पुरानी संवाद परंपरा इसलिए बहुत बढ़िया है क्योंकि जाति, वर्ग और शिक्षा स्तर से इतर, विचारों में भिन्नता इसे समृद्ध बनाती है।

किताब की प्रस्तावना में सेन लिखते हैं- 2004 के आम चुनावों से ठीक पहले, कोलकाता में उनके घर के बाहर एक ग्रामीण, जो 'मुश्किल से साक्षर व बहुत गरीब था', ने उनसे कहा 'हमें चुप करा देना बहुत मुश्किल नहीं, लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि हम बोल नहीं सकते'। कोई हैरानी की बात नहीं कि बंगाल-और पंजाब भी, जैसा कि बीते शुक्रवार शाम पूरी तरह साफ हो गया—काफी समय से भाजपा के निशाने पर हैं। 21 के विपरीत, जब प्रधानमंत्री का 'दीदी, ओ दीदी' वाला ताना बंगालियों को ज्यादा रास नहीं आया था, इस बार भाजपा के तरकश में कहीं ज्यादा किस्म के तीर हैं।

विशेष गहन पुनरीक्षण में 27.10 लाख मतदाताओं के नाम कटने से- जिससे राज्य की मतदाता सूची में 11.63 प्रतिशत की गिरावट आई- सियासी समीकरण पूरी तरह गड़बड़ा गए। मतदान के पहले चरण के बाद भाजपा अपनी जीत का दावा कर रही है। वहीं दूसरी ओर, ममता बनर्जी भी जानती हैं कि बंगाल की यह लड़ाई न सिर्फ उनके अपने राजनीतिक कैरियर को बनाएगी या बिगाड़ेगी, बल्कि समूचे विपक्ष के भविष्य पर भी इसका गहरा असर पड़ेगा। बंगाल में घूमना और वहां की बदलती कहानी को देखना काफी आसान है-यदि आप उत्तर प्रदेश और बिहार की तरफ से आ रहे हैं।

परिस्थितियों के अनुकूल ढलने से सफलता

डॉ. रेणु सैनी

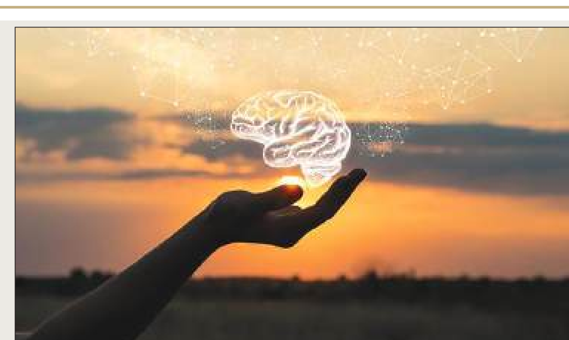

आॅर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है। इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है।

हम सभी अंतर्मुखी और बहिर्मुखी शब्दों से अच्छी तरह परिचित हैं। ये शब्द बोलते ही हमारे परिचित चेहरे 'अंतर्मुखी' या 'बहिर्मुखी सांचे' में फिट हो जाते हैं। इन दोनों शब्दों के अलावा एक और शब्द है 'ऑर्टोवर्ट'। यह एक ऐसा शब्द है जो अंतर्मुखी और बहिर्मुखी दोनों के बीच संतुलन स्थापित करता है अथवा सेतु का निर्माण करता है। किसी भी चीज की अधिकता अथवा न्यूनता दोनों ही दिक्कत उत्पन्न करती है। जहां संतुलन उत्पन्न हो जाता है, वहां सब सही हो जाता है। ऑर्टोवर्ट को और अधिक सरल तरीके से समझते हैं। इसका सरल अर्थ हुआ- वह व्यक्ति जो अपनी ऊर्जा और व्यवहार को परिस्थितियों के अनुरूप या दूसरों को देखते हुए कुशलता से ढाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति न तो पूरी तरह से बहिर्मुखी होता है और न ही पूरी तरह अंतर्मुखी, अपितु उसके अंदर दोनों के गुणों का समावेश होता है।

इन गुणों का प्रयोग वह परिस्थितियों और वातावरण के अनुरूप करता है और बड़ी से बड़ी परेशानी और समस्या का हल निकाल लेता है। ऑर्टोवर्ट व्यक्ति के अंदर अनुकूलन क्षमता कूट-कूट कर भरी होती है। जो व्यक्ति अनुकूलन क्षमता के गुणों से भरा होता है, वह कठिन और विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य बनाए रखता है। ऐसे में कई बार अनहोनी और दुर्घटनाएं हो जाती हैं। वहीं 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति कुशलता से बड़ी दुर्घटनाओं को होने से रोक लेते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन 'ऑर्टोवर्ट' थे। वे स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप बहुत ही सहजता और सरलता से ढाल लेते थे। उन दिनों अमेरिका में गृहयुद्ध छिड़ने के कारण हर ओर तनाव का माहौल बना हुआ था। राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन की रातों की नींद उड़ी हुई थी। एक दिन इलिनॉय से उनका कोई पुराना साथी व्हाइट हाउस पहुंचा। उसने द्वार रक्षक से राष्ट्रपति से मिलने की इच्छा प्रकट की। द्वार रक्षक बोला, 'यह समय उनसे मिलने का नहीं है।

वे अभी कैबिनेट की महत्वपूर्ण बैठक में हैं और देश के बारे में गंभीर चर्चा चल रही है।' यह सुनकर वह व्यक्ति बोला, 'तुम बस एब को इतना बता दो कि ओरलैंडो केलॉग आया है और उन्हें 'हकलाते इंसाफ' वाला किस्सा सुनाना चाहता है, वे मुझे तुरंत बुला लेंगे।' अब्राहम लिंकन को उनके करीब से जानने वाले 'एब' कहकर पुकारा करते थे। द्वार रक्षक के बार-बार मना करने पर भी जब आंगतुक नहीं माना तो द्वार रक्षक ने यह संदेश लिंकन तक पहुंचा दिया। संदेश सुनते ही लिंकन ने उसे तुरंत अंदर लाने का आदेश दिया। इसके बाद उन्होंने सबके समक्ष उससे गर्मजोशी से हाथ मिलाया। फिर वे अपनी कैबिनेट की ओर मुखातिब होकर बोले, ''सज्जनों, ये मेरे बहुत ही आत्मीय और पुराने मित्र ओरलैंडो केलॉग हैं।

ये हमें 'हकलाते इंसाफ' का किस्सा सुनाना चाहते हैं। वह बहुत दिलचस्प किस्सा है। मेरे विचार में इन गंभीर पलों में हमें वह किस्सा सुनना चाहिए। इसलिए फिलहाल सब काम रोक कर वह किस्सा सुनते हैं।'' इसके बाद ओरलैंडो केलॉग वह किस्सा सुनाते रहे और अब्राहम लिंकन ठहाके पर ठहाके लगाते रहे, जबकि कैबिनेट के अन्य राजनीतिज्ञ और राष्ट्रीय समस्याएं प्रतीक्षा करती रहीं। उस समय सबको यही लग रहा था कि ऐसे अकुशल, अनगढ़ व्यक्ति के हाथों में देश का भविष्य है लेकिन वे लोग यह नहीं जानते थे कि अब्राहम लिंकन का यही अलहदा अंदाज समस्याओं और चुनौतियों से निपटने का कुशल हथियार था और वाकई उनके 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्तित्व ने ही उन्हें इतिहास पुरुष के रूप में स्थापित कर दिया। प्रत्येक व्यक्ति अपने अंदर 'ऑर्टोवर्ट' गुणों का विकास कर सकता है। उसके लिए अपने अंदर प्रतिदिन निम्नलिखित बातों का विकास करना है— चयनित मौन- हर वक्त अपनी राय रखना जरूरी नहीं है। कई बार मौन रहकर गहराई से बात को समझने का प्रयास करना चाहिए।

गहराई व्यक्ति के कार्य को स्पष्टता और सुदृढ़ स्वर प्रदान करती है। ऊर्जा की वृद्धि - सुबह योग, व्यायाम, अध्यात्म और श्वासों के द्वारा अपनी ऊर्जा को बढ़ाएं। जब आप नियमित अपनी ऊर्जा को सही जगह पर लगाते हैं तो धीरे-धीरे दूसरों की ऊर्जा को पहचानकर उसके अनुरूप प्रतिक्रिया देने की शक्ति विकसित होती जाती है। आत्मीयता का विकास- जब एक व्यक्ति दिखावे के बजाय किसी के साथ आत्मीयता स्थापित करता है, तो मन के आंतरिक बिंदु व्यक्ति के व्यक्तित्व को निखारते हैं। उसके सामने से धुंधली चीजें हट जाती हैं। सच्ची आत्मीयता परिस्थितियों के अनुरूप सहज दृष्टिकोण विकसित करने में मुख्य भूमिका निभाती है। लचीलापन - जड़ता व्यक्ति को झुकने से रोकती है, जबकि लचीलेपन का गुण व्यक्ति के अंदर हर स्थिति को सहजता से सुलझाने का प्रयास करता है। वर्तमान समय में व्यक्तियों को 'ऑर्टोवर्ट' होना चाहिए क्योंकि ये हर तरह के प्रबंधन को मजबूत करता है। 'ऑर्टोवर्ट' व्यक्ति जीवन के सबसे बुरे पड़ाव को भी आराम से पार कर लेता है क्योंकि उसके अंदर स्वयं को परिस्थितियों के अनुरूप मोड़ने की कला आ जाती है।

गर्मी में ठंडक का धमाका

खीरे से बनाएं मॉकटेल ड्रिंक्स

गर्मियों का मौसम आते ही शरीर को ठंडक और हाइड्रेशन की सबसे ज्यादा जरूरत होती है। ऐसे में अगर आपको कुछ स्वास्थ्यवर्धक, स्वादिष्ट और रिफ्रेशिंग पीने को मिल जाए, तो बात ही अलग हो जाती है। खीरा एक ऐसा सुपरफूड है जो पानी से भरपूर होता है और शरीर को ठंडा रखने में मदद करता है। आमतौर पर खीरे का इस्तेमाल सलाद में किया जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इससे आप बेहद स्वादिष्ट मॉकटेल ड्रिंक्स भी बना सकते हैं? ये ड्रिंक्स न सिर्फ आपको गर्मी से राहत देंगे बल्कि आपके शरीर को डिटॉक्स करने में भी मदद करेंगे। इन मॉकटेल्स की सबसे अच्छी बात यह है कि इन्हें बनाने में ज्यादा समय या मेहनत नहीं लगती। कुछ आसान सामग्री और 5-10 मिनट में आप घर पर ही कैफे-स्टाइल ड्रिंक्स तैयार कर सकते हैं। अगर आप इस समर में कुछ नया और हेल्दी ट्राय करना चाहते हैं, तो ये 5 खीरे के मॉकटेल आपके लिए परफेक्ट हैं। खीरे से बने ये मॉकटेल्स न सिर्फ स्वादिष्ट हैं बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। इस गर्मी में कोल्ड ड्रिंक्स की जगह इन हेल्दी विकल्पों को अपनाएं और खुद को रखें कूल, फ्रेश और एनर्जेटिक।

ककड़ी-पुदीना कूलर

खीरा, ककड़ी, पुदीना पत्ते, नींबू रस और ठंडा पानी मिलाकर ब्लेंड करें। ठंडा-ठंडा सर्व करें। यह ड्रिंक तुरंत ताजगी देता है और बॉडी को कूल रखता है।

नींबू-खीरा रिफ्रेशर

खीरे के जूस में नींबू का रस और शहद मिलाएं। आइस क्यूब मिक्स करके सर्व करें। यह विटामिन ष्ट से भरपूर ड्रिंक इम्यूनिटी भी बढ़ाता है।

खीरा-शहद ड्रिंक

खीरे के जूस में शहद और ठंडा पानी मिलाएं। यह ड्रिंक नेचुरल एनर्जी देता है और स्किन के लिए भी फायदेमंद है। गर्मियों में आपको रिफ्रेश भी रखेगा।

खीरा-फ्रूट मिक्स कूलर

इस बनाने के लिए आटा कप कटा हुआ खीरा, उतना ही कटा तरबूज और कुछ पुदीना की पत्तियों को मिक्सर जार में डालकर ब्लेंड करें और चिकना पेय तैयार कर लें। अब इसमें काला नमक मिलाएं। गिलास में इस फ्रूट मिक्स कूलर को सर्व करें। आइस क्यूब मिलाकर ठंडा कर सकते हैं। यह ड्रिंक स्वाद के साथ-साथ हाइड्रेशन का पावरहाउस है।

स्पार्कलिंग कुकुंबर मॉकटेल

कद्दूकस किया हुआ या पतले स्लाइस खीरे के काट लें। अब पुदीने की पत्तियों के साथ खीरे को मिलाकर अच्छे से मैश कर लें। मिठास के लिए शहद मिला सकते हैं। फिर एक गिलास में ये मिश्रण डालकर ऊपर से बर्फ के टुकड़े और सोड़ा या स्पार्कलिंग वाटर डालें। चम्मच से ड्रिक को मिलाकर सर्व करें। यह ड्रिंक पार्टी के लिए परफेक्ट और बेहद स्टाइलिश लगता है।

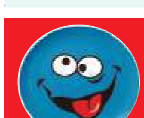

हंसना मना है

वकील (अदालत में महिला से)- आपके पति कैसे मरे? महिला- जहर खा कर वकील- फिर इनके शरीर पर चोट के निशान कैसे? महिला- खाने से मना कर रहे थे सुनकर वकील और जज दोनों बेहोश....

एक लड़की पंडित के पास जाकर बोली- पंडित जी मेरी शादी क्यों नहीं हो रही है? पंडित- कैसे होगी पगली, तेरी कुंडली में तो सुख ही सुख लिखा है......

एक महिला पंडित के पास गयी और बोली-मेरे दो प्रेमी हैं, उनमे से मेरी शादी किससे होगी? कौन होगा वो किस्मत वाला? पंडित- पहले वाले से तेरी शादी होगी और दूसरा किस्मत वाला कहलाएगा.....

टीचर: पप्पू तुम बड़े होकर क्या बनोगे?
पप्पू: मैम मैं बड़ा होकर सीए बनूंगा, फिर सभी महानगरों में मेरा बिजनेस चलेगा, 10 नौकर मेरे आसपास रहेंगे, मेरे पास सबसे महंगी कारें होगी
टीचर: बस पप्पू बस, इतना लंबा जवाब देने की जरुरत नहीं थी
सिर्फ एक लाइन में जवाब देना था, अच्छा पिंकी अब तुम बताओ
तुम बड़ी होकर क्या बनोगी?
पिंकी: संजू की पत्नी....

कहानी | ख्याली जलेबी

एक बार एक बुढ़िया किसी गाड़ी से टकरा गई। वह बेहोश होकर गिर पड़ी। लोगों की भीड़ ने उसे घेर लिया। कोई बेहोश बुढ़िया को हवा करने लगा तो कोई सिर सहलाने लगा। गाड़ीवाला टक्कर मारते ही भाग गया था। वहीं शेखचिल्ली जनाब भी खड़े थे। एक आदमी बोला, 'जल्दी से बुढ़िया को अस्पताल ले चलो। दूसरे ने कहा, 'हाँ, ताँगा लाओ और इसे अस्पताल पहुँचाओ। 'हमें इसे यहीं पर होश में लाना चाहिए। भई, कोई तो पानी ले लाओ। तीसरा बोला। 'पानी के छींटे देने पर यह होश में आ जाएगी। हाँ, हमें इसकी जिंदगी बचानी चाहिए। लेकिन यह तो होश में नहीं आ रही। इसे अस्पताल ही ले चलो। वहीं होश में आएगी। वहीं खड़ा शेखचिल्ली बोला, 'इसे होश में लाने का तरीका तो मैं बता सकता हूँ। 'बताओ भाई? कई लोग एक साथ बोले। 'इसके लिए गर्म-गर्म जलेबियाँ लाओ। जलेबियों की खुशबू इसे सुँघाओ और फिर इसके मुँह में डाल दो। जलेबियाँ इसे बड़ा फायदा करेंगी। शेखचिल्ली ने बताया। लोगों को शेखचिल्ली की बात मूर्खतापूर्ण लगी और लोगों ने उसे अनसुना कर दिया। शेखचिल्ली की बात बुढ़िया के कानों में पड़ चुकी थी। बुढ़िया बेहोशी का बहाना किए पड़ी थी। शेखचिल्ली की बात को अनसुना होते देख बुढ़िया बोल उठी, 'अरे भाइयों, इसकी भी तो सुनो! देखो यह लड़का क्या कह रहा है। लोग चौंक पड़े। उन्होंने बुढ़िया को बुरा-भला कहा और चल दिए। बहानेबाज़ बुढ़िया भी चुपचाप उठकर जाने को मजबूर हो गई।

8 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष — मेष राशि के जातकों के लिए कार्यक्षेत्र में आपको नए अवसर मिल सकते हैं, खासकर यदि आप लंबे समय से किसी बदलाव या प्रमोशन का इंतजार कर रहे थे।

तुला — तुला राशि के लोगों के लिए आज का दिन संतुलन और खुशी लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में सहयोगियों का साथ मिलेगा और आपके काम आसानी से पूरे होंगे।

वृषभ — वृषभ राशि के लोगों के लिए आज का दिन बहुत ही शुभ और स्थिरता देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी और आपको वरिष्ठों से सराहना मिल सकती है।

वृश्चिक — आज का दिन थोड़ा सतर्क रहने का संकेत देता है। कार्यक्षेत्र में कुछ नई चुनौतियां आ सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी और धैर्य से आप उन्हें संभाल सकते हैं।

मिथुन — कार्यक्षेत्र में आपके आइडियाज की सराहना होगी और आपको कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है, जो आपके करियर को नई दिशा दे सकती है।

धनु — धनु राशि के जातकों के लिए आज का दिन भाग्य का साथ देने वाला रहेगा। करियर और शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलने की संभावना है।

कर्क — आज का दिन थोड़ा भावनात्मक और संवेदनशील रह सकता है। कार्यक्षेत्र में कुछ दबाव महसूस हो सकता है, लेकिन धैर्य से काम लेने पर आप हर स्थिति को संभाल सकते हैं।

मकर — मकर राशि के लोगों के लिए आज का दिन अनुशासन और मेहनत से सफलता दिलाने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी लगन की सराहना होगी और आपको कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

सिंह — आज का दिन आत्मविश्वास और सफलता से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी और आपको कोई महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है।

कुम्भ — आज का दिन नए अवसर और रचनात्मकता लेकर आएगा। कार्यक्षेत्र में आपकी योजनाएं सफल हो सकती हैं और आपको कोई नया प्रोजेक्ट मिल सकता है।

कन्या — कार्यक्षेत्र में आपको कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे करने होंगे, जिससे थोड़ी थकान महसूस हो सकती है।

मीन — आज का दिन आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक सोच से भरा रहेगा। कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे प्रगति होगी और आपकी मेहनत का फल मिलने लगेगा।

बॉलीवुड मसाला

तीन दशक बाद साथ नजर आएंगे तब्बू और नागार्जुन

साउथ सुपरस्टार नागार्जुन ने अपनी 100वीं तेलुगु फिल्म पर काम शुरू कर दिया है। फिल्म का नाम फिलहाल किंग 100 है। अब फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री तब्बू भी शामिल हो गई हैं। तब्बू इस फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। खास बात ये है कि इस फिल्म के जरिए दशकों बाद तब्बू और नागार्जुन एक साथ किसी प्रोजेक्ट में नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है। तब्बू ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा करते हुए फिल्म से खुद के जुड़ने और शूटिंग शुरू होने की जानकारी दी। तब्बू ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें फिल्म के टाइटल वाला क्लैपरबोर्ड एक काली कुर्सी पर रखा हुआ है। इसके साथ ही उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'और हम शुरू करते हैं किंग100।' इसके साथ ही तब्बू ने हैशटैग में नागार्जुन का नाम लिखा है और मेकर्स को मेंशन किया है।

'किंग 100' के जरिए तब्बू और नागार्जुन लगभग 30 साल बाद साथ में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले नागार्जुन और तब्बू साल 1996 में आई रोमांटिक फिल्म निन्ने पेल्लादाता में साथ नजर आए थे। अब दर्शक तीन दशक बाद दोनों को एक ही फिल्म में देखने के लिए उत्साहित हैं। हालांकि, किंग 100 की कास्ट और क्रू व फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

वर्कफ्रंट की बात करें तो तब्बू हाल ही में अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में नजर आई हैं। इस फिल्म में परेश रावल, राजपाल यादव और वामिका गब्बी ने भी अहम भूमिकाएं निभाई हैं। फिल्म इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। वहीं नागार्जुन को आखिरी बार पिछले साल आई रजनीकांत की तमिल एक्शन फिल्म कुली में देखा गया था। जबकि नागार्जुन की आखिरी हिंदी फिल्म निर्देशक अयान मुखर्जी की ब्रह्मास्त्र- पार्ट वन - शिवा है, जो 2022 में रिलीज हुई थी।

संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म में हुई धनुष की इंट्री

संजय लीला भंसाली की फिल्मों का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार रहता है। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि संजय लीला भंसाली की अगली पौराणिक जंगल ड्रामा में साउथ स्टार राम चरण प्रमुख भूमिका में नजर आ सकते हैं। लेकिन अब ऐसी खबरें आ रही हैं कि संजय लीला भंसाली की इस फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि, कोई और साउथ स्टार प्रमुख भूमिका में नजर आएगा।

वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, संजय लीला भंसाली के आगामी जंगल पर आधारित भव्य फिल्म में राम चरण नहीं बल्कि धनुष प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। ये संजय लीला भंसाली का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। अब धनुष को इसके लिए फाइनल कर लिया गया है।

इसका निर्माण संजय लीला भंसाली के प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जाएगा, जबकि तमिल फिल्म निर्माता पी.एस. मिथ्रन इसका निर्देशन करेंगे। मिथ्रन इरुम्बु थिरई, हीरो और सरदार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं और इस फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करेंगे। खास बात यह है कि वो धनुष के साथ पहली बार काम करेंगे।

रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ कि पी.एस. मिथ्रन 'राउडी राठौर 2' पर काम कर रहे थे, लेकिन चूंकि यह प्रोजेक्ट फाइनल नहीं हो सका, इसलिए उन्होंने कई अन्य विकल्पों पर विचार करना शुरू किया। तभी इस फिल्म की कहानी सामने आई।

रिपोर्ट में आगे बताया गया कि कहानी को अंतिम रूप देने में कई बार बदलाव और सुधार करने पड़े, जो कुछ महीने पहले ही हुआ था। इसी दौरान उन्होंने मुख्य अभिनेता की तलाश शुरू की। राम चरण से बातचीत चल रही थी, लेकिन बात नहीं बनी, इसलिए धनुष को चुना गया। फिल्म की शूटिंग 2027 की शुरुआत में शुरू होने की संभावना है।

बॉलीवुड मन की बात

कॉमेडी एक्टर्स को भी इंडस्ट्री में मिलना चाहिए सम्मान : अरशद

अरशद वारसी ने अपने तीन दशक लंबे करियर में हर तरह के किरदार निभाए हैं। कॉमेडी रोल से अपनी पहचान बनाने वाले अरशद ने ग्रे शेड कैरेक्टर, सीरियस कैरेक्टर और निगेटिव रोल भी अदा किए हैं। यही कारण है कि अरशद वारसी का ऐसा मानना है कि फिल्म इंडस्ट्री में उनके लिए हमेशा एक जगह रहेगी। अरशद वारसी ने कॉमेडियंस या कॉमेडी करने वाले अभिनेताओं को कमतर आंके जाने पर निराशा जताते हुए ये उम्मीद जताई कि ऐसे कलाकारों को वो सम्मान मिले, जिसके वे हकदार हैं। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में अरशद वारसी ने कहा कि फिल्म इंडस्ट्री में 30 साल सिर्फ एक संख्या नहीं है। यह एक उपलब्धि है। यह महत्वाकांक्षा से कहीं अधिक धैर्य का प्रमाण। बेशक इंडस्ट्री आपकी परीक्षा लेगा। कड़ी मेहनत तो हर कोई करता है, लेकिन अगर आप खुद पर और अपनी क्षमता पर दृढ़ विश्वास रखते हैं और धैर्य बनाए रखते हैं, तो निश्चित रहें कि एक दिन दूसरे भी आप पर विश्वास करेंगे। यही चीज मुझे आगे बढ़ाती रही। मैंने कभी हार नहीं मानी, न तब जब काम धीमा हो गया, न तब जब पहचान एक समान नहीं थी और न तब जब सिस्टम मेरे खिलाफ झुका मालूम हुआ। मुझे पूरा विश्वास है कि मैं एक अच्छा अभिनेता हूं और इस इंडस्ट्री में मेरे लिए जगह है। वास्तव में इस इंडस्ट्री में मेरे लिए हमेशा जगह रहेगी। अपनी बेमिसाल कॉमिक टाइमिंग के लिए मशहूर अरशद ने इस बात पर चिंता जताई कि कॉमेडी को अक्सर मुख्य भूमिकाओं से कैसे जोड़ा जाता है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर कॉमेडियन, अभिनेता या उभरते हुए कलाकार जो कॉमेडी में माहिर हैं, उनके लिए यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हम इसे कमतर आंकते हैं। यह वाकई दुखद है। मुझे नहीं लगता कि कोई कभी किसी अभिनेता से पूछेगा कि क्या अभिनय में माहिर होना मुख्य भूमिका निभाने में बाधा बनता है।

कभी सोचा है आखिर ट्रेन के पहिए क्यों नहीं होते पेंट? वजह है अजीबो-गरीब

भारत में रेलवे सिर्फ एक परिवहन साधन नहीं, बल्कि आम लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा है। आज भी बड़ी संख्या में लोग ट्रेन से सफर करना पसंद करते हैं। किसी के लिए यह बजट फ्रेंडली ऑप्शन है, तो किसी के लिए आरामदायक और भरोसेमंद यात्रा का जरिया है।

अगर आपने कभी ट्रेन में सफर किया है, तो आपने उसके कोच, इंजन और पहियों को जरूर देखा होगा। लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया है कि जहां ट्रेन के डिब्बों को रंग-बिरंगे पेंट से सजाया जाता है, वहीं उनके पहिए अक्सर बिना पेंट के ही नजर आते हैं? इसके पीछे की वजह काफी दिलचस्प है। दरअसल, ट्रेन के पहिए बहुत भारी दबाव और फ्रिक्शन को झेलते हैं। जब ट्रेन तेज रफ्तार से पटरी पर दौड़ती है, तो पहियों और रेल ट्रैक के बीच लगातार रगड़ होती है। अगर इन पहियों पर पेंट किया जाए, तो यह पेंट बहुत जल्दी घिसकर उतर जाएगा। ऐसे में बार-बार पेंट करना पड़ेगा, जो समय और पैसे दोनों की बर्बादी साबित होगा। यही वजह है कि रेलवे पहियों को पेंट करने से बचता है। इसके अलावा, सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद अहम कारण भी है। ट्रेन के पहियों में समय-समय पर दरारें या अन्य तकनीकी खामियां आ सकती हैं। बिना पेंट वाले पहियों में इन खामियों को पहचानना आसान होता है। इंजीनियर और तकनीकी कर्मचारी निरीक्षण के दौरान किसी भी छोटी दरार या नुकसान को तुरंत देख सकते हैं। अगर पहियों पर पेंट चढ़ा होगा, तो ये दरारें छिप सकती हैं, जिससे बड़ा हादसा होने का खतरा बढ़ सकता है। एक और महत्वपूर्ण पहलू तापमान से जुड़ा है। ट्रेन के पहिए चलते समय काफी गर्म हो जाते हैं। बिना पेंट के धातु की सतह पर तापमान में बदलाव को समझना आसान होता है, जबकि पेंट होने पर यह आकलन मुश्किल हो सकता है। इस तरह बिना पेंट के पहिए तकनीकी निगरानी को और अधिक प्रभावी बनाते हैं। कुल मिलाकर, ट्रेन के पहियों को बिना पेंट छोड़ा जाना कोई लापरवाही नहीं, बल्कि एक सोची-समझी और सुरक्षा से जुड़ी रणनीति है। अगली बार जब आप ट्रेन में सफर करें, तो इस छोटी सी बात के पीछे छिपी बड़ी समझ को जरूर याद रखें।

अजब-गजब ये है भारत का अनोखा रेलवे ट्रैक

दिन में दो बार समुद्र की लहरों में गायब हो जाती हैं इस रेल ट्रैक की पटरियां, फिर भी बिना रुके दौड़ती हैं ट्रेनें

भारत में एक ऐसा रेलवे ट्रैक है, जिसके बारे में सुनते ही लोगों के मन में हैरानी और उत्सुकता दोनों पैदा हो जाती हैं। कहा जाता है कि यह ट्रैक दिन में दो बार समुद्र की लहरों में गायब हो जाता है। दूर से देखने पर यह नजारा सचमुच ऐसा लगता है जैसे चारों तरफ फैले पानी के बीच अचानक कोई ट्रेन चलती दिखाई दे रही हो, मानो पटरियां समुद्र में समा गई हों।

लेकिन क्या वास्तव में ऐसा होता है? क्या सच में रेलवे ट्रैक पानी में डूब जाता है, या यह सिर्फ आंखों का भ्रम है? इस अनोखे दृश्य के पीछे की सच्चाई जानना जितना दिलचस्प है, उतना ही चौंकाने वाला भी। यह खास रेल मार्ग दक्षिण भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित है, जो मुख्य भूमि को रामेश्वरम द्वीप से जोड़ता है। इस रूट की सबसे बड़ी पहचान है पंबन ब्रिज- एक ऐतिहासिक समुद्री पुल, जो समुद्र के ऊपर बना हुआ है और भारत के सबसे खूबसूरत रेल मार्गों में गिना जाता है। इसका निर्माण साल 1914 में हुआ था और यह भारत का पहला समुद्री रेल पुल माना जाता है। यह पुल समुद्र के ऊपर फैला हुआ है, जहां दोनों ओर लहरें लगातार चलती रहती हैं। जब ट्रेन इस पुल से गुजरती है, तो यात्रियों को ऐसा अनुभव होता है मानो वो समुद्र के बीचों-बीच सफर कर रहे हों। यह दृश्य ना केवल रोमांचक होता है,

बल्कि फोटोग्राफी और यात्रा प्रेमियों के लिए भी बेहद खास बन जाता है।

असल में पंबन ब्रिज की पटरियां कभी पूरी तरह पानी में नहीं डूबतीं। यह पुल समुद्र की सतह से ऊंचाई पर बना है। हालांकि, ज्वार-भाटा (टाइड) के दौरान समुद्र का पानी आसपास के निचले इलाकों में फैल जाता है। दूर से देखने पर ऐसा भ्रम पैदा होता है कि पटरियां पानी में समा गई हैं। यही प्राकृतिक भ्रम इस जगह को और भी रहस्यमयी और लोगों के लिए आकर्षक बनाता है।

इस रूट पर ट्रेनों की सुरक्षा का खास ध्यान रखा जाता है। भारतीय रेलवे लगातार मौसम, हवा की गति और समुद्र की स्थिति पर नजर रखता है। जब तेज हवाएं चलती हैं या समुद्र में ऊंची लहरें उठती हैं, तो ट्रेनों को तुरंत रोक दिया जाता है। जरूरत पड़ने पर ट्रेनों के समय में बदलाव भी किया जाता है, ताकि किसी तरह का जोखिम न रहे। इसके अलावा, पुल पर ट्रेनों की गति सीमित रखी जाती है ताकि सफर सुरक्षित बना रहे। इन सभी सावधानियों की वजह से यहां यात्रा पूरी तरह सुरक्षित मानी जाती है। साल 1964 में आए भीषण चक्रवात ने इस क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचाया था और पंबन ब्रिज भी प्रभावित हुआ था। इसके बाद पुल को और मजबूत बनाया गया और समय-समय पर इसका आधुनिकीकरण होता रहा है। हाल ही में यहां एक नया वर्टिकल-लिफ्ट ब्रिज भी बनाया गया है, जिससे जहाजों की आवाजाही और आसान हो गई है। आपको बता दें कि, पंबन ब्रिज केवल एक रेल मार्ग नहीं, बल्कि एक अनुभव है जहां समुद्र और रेल का अनोखा संगम देखने को मिलता है। यहां पटरियां गायब नहीं होतीं, बल्कि प्रकृति और रोशनी का खेल आंखों को एक अद्भुत भ्रम में डाल देता है। अगर आप कभी इस रास्ते से गुजरें, तो यकीन मानिए यह सफर जिंदगी भर याद रहेगा।

मोदी राज में विकास नहीं, विनाश

राहुल गांधी ने ग्रेट निकोबार परियोजना को लेकर केंद्र सरकार को घेरा

» नेता प्रतिपक्ष बोले- प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे जघन्य अपराध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली की ग्रेट निकोबार में चल रही 81,000 करोड़ रुपये की सबसे महत्वाकांक्षी रणनीतिक अवसंरचना परियोजना पर निशाना साधते हुए इसे हमारे जीवनकाल में देश की प्राकृतिक और आदिवासी विरासत के खिलाफ सबसे बड़े घोटालों और सबसे जघन्य अपराधों में से एक बताया। कांग्रेस नेता, जो वर्तमान में द्वीप का दौरा कर रहे हैं, ने कहा कि केंद्र की यह महत्वाकांक्षी परियोजना विकास की आड़ में विनाश के अलावा कुछ नहीं है।

राहुल ने एक्स पर लिखा कि सरकार इसे परियोजना कहती है। मैंने जो देखा है, वह कोई परियोजना नहीं है। यह लाखों पेड़ों को काटने के लिए चिह्नित किया गया है। यह 160 वर्ग किलोमीटर का वर्षावन है जिसे नष्ट होने के लिए अभिशप्त किया गया है। यह उन समुदायों को नजरअंदाज किया गया है जिनके घर छीन लिए गए हैं। ग्रेट निकोबार द्वीप के जंगलों के दौरे के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि वहां के पेड़ याद से भी पुराने हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये जंगल पीढ़ियों से पोषित हुए हैं और द्वीप पर रहने वाले सुंदर लोगों को उनका हक छीना जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि सरकार इसे 'परियोजना' कहती है। मैंने जो देखा है, वह कोई परियोजना नहीं है। लाखों पेड़ कटाई के लिए चिह्नित हैं। 16० वर्ग किलोमीटर का वर्षावन विनाश की कगार पर है। कई समुदायों को नजरअंदाज किया गया है और उनके घर छीन लिए गए हैं। इस विवाद की जड़ में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण द्वारा इस विशाल अवसंरचना परियोजना को दी गई मंजूरी है, जिसे कांग्रेस ने पहले अधूरा और गलत योजना पर आधारित बताया था।

समुदायों को नजरअंदाज कर उनके घर छीने गए

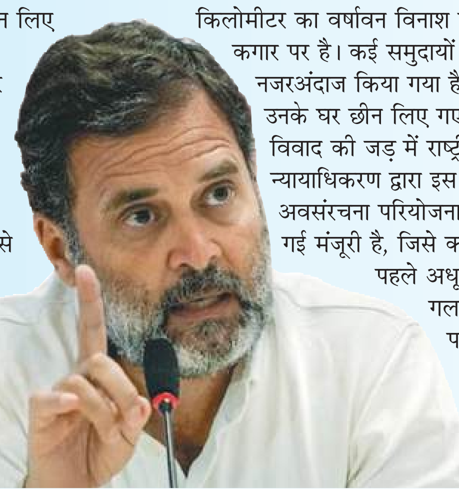

सोनिया ने पहले की थी आलोचना

अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह के सबसे दक्षिणी छोर पर एक माल ढुलाई और रसद केंद्र बनाने की योजना की सोनिया गांधी ने पहले भी आलोचना की थी और केंद्र से इस पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया था, जिसमें उन्होंने क्षेत्र की समृद्ध जैव विविधता और स्वदेशी समुदायों का हवाला दिया था।

कांगड़ा के गुप्त गंगा पहुंचे राहुल गांधी

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी वीरवार को कांगड़ा शहर के समीप गुप्ता गंगा में आयोजित तीन राज्यों के जिला कांग्रेस अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में भाग लेंगे। जिसके लिए आज राहुल गांधी कांगड़ा पहुंच चुके हैं। गगल एयरपोर्ट पहुंचने पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू और उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने उनका स्वागत किया। वीरवार को पीले रंग की टीशर्ट पहने राहुल गांधी ने कई सियासी संकेत दिए हैं। गौर हो कि वीरवार के दिन पीले कपड़ों का अध्यात्म में अपना महत्व है। इसके साथ ही हिमाचल में मां बगलामुखी का मंदिर भी पीले रंग की पहचान बनाए है। राहुल गुप्त गंगा में हिमाचल, पंजाब और जेएंडके के अस्सी जिला अध्यक्षों के साथ इंट्रेक्शन करने पहुंचे हैं। पिछले नौ दिनों से यह शिविर जारी है। राहुल के स्वागत के लिए हिमाचल समेत नज़दीकी राज्यों के कई कांग्रेसी दिग्गज पहुंच चुके हैं। कांग्रेस के कांगड़ा में जिला अध्यक्षों के प्रशिक्षण शिविर में शिरकत करेंगे। कांगड़ा में करीब 4 घंटे तक कार्यक्रम और पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक के बाद वह वापस दिल्ली लौटेंगे। कांगड़ा में पहुंचने के बाद करीब 45 मिनट तक चलने वाले इस नाश्ते के दौरान वह जिला अध्यक्षों से अनौपचारिक बातचीत कर संगठनात्मक फीडबैक लेंगे। इसके बाद वह प्रशिक्षण शिविर में औपचारिक रूप से जिला अध्यक्षों को संबोधित करेंगे।यह सत्र करीब ढाई घंटे तक चलेगा, जिसमें संगठन की मजबूती, आगामी रणनीति और जमीनी स्तर पर पार्टी को सशक्त बनाने पर चर्चा होगी। राहुल गांधी का दोपहर का भोजन भी जिला अध्यक्षों के साथ ही होगा। इसके बाद वह पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ बैठक करेंगे, जिसमें प्रदेश के मौजूदा राजनीतिक हालात और आगामी रणनीति पर मंथन किया जाएगा।

रास चुनाव में हुई थी फिक्सिंग : सज्जाद लोन

» भाजपा, नेंका और पीडीपी पर लगाए सनसनीखेज आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और हंदवाड़ा से विधायक सज्जाद गनी लोन ने जम्मू-कश्मीर की राजनीति में एक नया विवाद छेड़ दिया है। लोन ने पिछले साल हुई चार राज्यसभा सीटों के चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी-भाजपा, नेशनल कॉन्फ्रेंस-नेंका और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी -पीडीपी पर मैच फिक्सिंग और गुप्त समझौते का गंभीर आरोप लगाया है। राज्यसभा चुनाव में सत्तारूढ़ नेकां ने जहां तीन सीट पर जीत दर्ज की थी, वहीं विपक्षी दल भाजपा पर्याप्त संख्या बल न होने के बावजूद एक सीट पर कब्जा जमाने में कामयाब रही थी। कम से कम चार गैर-भाजपा विधायकों ने भाजपा उम्मीदवार सत शर्मा के पक्ष में मतदान किया था, जिन्हें कुल 32 वोट हासिल हुए थे, जबकि जम्मू-कश्मीर विधानसभा में पार्टी के सदस्यों की संख्या 28 है।

लोन ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया था। उनके इस कदम से भी भाजपा प्रत्याशी को फायदा हुआ था। पीपुल्स कॉन्फ्रेंस प्रमुख ने कहा, नेकां का एजेंट की नियुक्ति पर जोर न देना और पीडीपी का एजेंट नियुक्त न करना मैच फिक्सिंग की ओर इशारा करता है। लोन ने आरटीआई कानून के तहत दायर एक आवेदन पर मिले जवाब का हवाला देते हुए यह टिप्पणी की, जिसमें कहा गया था कि पीडीपी ने राज्यसभा चुनाव के लिए किसी मुख्य एजेंट की नियुक्ति नहीं की थी। हंदवारा से विधायक लोन ने कहा कि आरटीआई आवेदन पर मिले जवाब से पता चलता है कि राज्यसभा चुनाव के दौरान कम से कम तीन पार्टियों-भाजपा, नेकां और पीडीपी -ने मिलीभगत की थी। उन्होंने कहा, नेकां और पीडीपी के सक्रिय समर्थन के बिना भाजपा राज्यसभा सीट नहीं जीत सकती थी। लोन ने 015 के राज्यसभा चुनाव को याद करते हुए कहा कि पीपुल्स कॉन्फ्रेंस का कोई उम्मीदवार मैदान में नहीं था, लेकिन तत्कालीन सत्तारूढ़ गठबंधन ने उनकी पार्टी से अपनी पसंद के एक एजेंट को नियुक्त करने के लिए कहा था।

राष्ट्रपति मुर्मु से अकेले मिलेंगे मुख्यमंत्री भगवंत मान

» विधायकों को नहीं मिली अनुमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़ । पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पांच मई को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात करेंगे। हालांकि उन्होंने सभी विधायकों के साथ मिलने का समय मांगा था लेकिन मुलाकात का समय केवल सीएम मान को मिला है। हालांकि सभी विधायक दिल्ली तक सीएम मान के साथ जाएंगे। मान ने खुद इसकी जानकारी अपने सोशल मीडिया पर दी।

भगवंत मान ने एक्स पर लिखा- पंजाब के लोगों ने जनादेश और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 5 मई, दोपहर 12 बजे मिलने का समय दिया है। हालांकि हमने सभी विधायकों के लिए समय मांगा था, लेकिन सिर्फ मुझे मिलने का न्योता मिला है। मैं अपने साथी विधायकों के साथ राष्ट्रपति भवन पहुंचूंगा। मेरे साथी बाहर रहेंगे और मैं अंदर जाकर सभी की ओर से माननीय राष्ट्रपति जी के सामने पंजाब और लोगों की आवाज को मजबूती से रखूंगा। बैठक के बाद अगली रणनीति शेयर की जाएगी। कीमती समय देने के लिए माननीय राष्ट्रपति का दिल से धन्यवाद।

पायलट को लेकर दिए गए बहुरूपिया बयान पर घमासान

» कांग्रेस ने भाजपा को घेरा उचियारड़ा ने कहा- यह उत्तर प्रदेश नहीं, राजस्थान है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान की राजनीति में एक बार फिर शब्दों की चिंगारी ने बड़ा सियासी धमाका कर दिया है। बीजेपी नेता राधा मोहन अग्रवाल द्वारा टोंक जिला विधायक सचिन पायलट को लेकर दिए गए बहुरूपिया बयान ने ऐसा तूफान खड़ा किया है कि अब हर नेता अपनी-अपनी भाषा में जवाबी हमला कर रहे हैं। टोंक से उठी यह बयानबाजी अब पूरे प्रदेश में गूंज रही है और इसी के साथ एक बार फिर मानेसर कांड भी चर्चाओं में लौट आया है। सियासी गलियारों में पुरानी तल्खियां ताज़ा हो गई हैं, और आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

इसी कड़ी में जोधपुर में कांग्रेस के महासचिव करण सिंह उचियारड़ा ने मोर्चा संभालते हुए बीजेपी पर पलटवार किया है। उन्होंने दो टूक कहा, यह उत्तर प्रदेश नहीं, राजस्थान है...यहां भाषा की मर्यादा सबसे ऊपर है, इससे पहले पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने और बाद में पायलट ने भी बीजेपी प्रभारी को जवाब दिया था। उचियारड़ा ने आगे चुटीले अंदाज़ में तंज कसते हुए कहा, हमारे यहां तो ससुराल में कुत्ते को भी 'कुत्ता जी' कहा जाता है। उन्होंने बीजेपी नेता की भाषा को निम्न स्तर का करार दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने राधा मोहन अग्रवाल की राजनीतिक हैसियत पर भी सवाल खड़े कर दिए, कांग्रेस नेता ने कहा, क्या उन्होंने कभी विधानसभा या लोकसभा चुनाव जीता है, जो खुद को बड़ा नेता बताते हैं अंत में उचियारड़ा ने भगवान से प्रार्थना करते हुए कहा कि बीजेपी नेता को सद्बुद्धि मिलने और वे इस तरह की भाषा से परहेज करने की सलाह दे डाली।

सचिन पायलट ने पूछा- मुझसे इतना विशेष प्रेम क्यों

इससे पहले पायलट ने भी बीजेपी प्रभारी के बयानों पर पूछे गए सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि बीजेपी नेताओं को उनके नाम से आखिर क्यों परेशानी है। उन्होंने कहा था, अग्रवाल जी से पहले कभी मेरी मुलाकात नहीं हुई, पता नहीं वे मुझसे इतना विशेष प्रेम क्यों रखते हैं? अगर वो मुझे कहीं मिल गए, तो मैं उनसे जरूर पूछूंगा कि आखिर बात क्या है? इसके साथ ही पायलट ने राजनीति में शिष्टाचार और बयानबाजी की एक मर्यादा बनाए रखने की बात कही थी।

एक बार फिर मुंबई इंडियंस की हुई हार

» वानखेड़े में 243 का सर्वोच्च स्कोर भी बेकार

» सनराइजर्स हैदराबाद ने 6 विकेट से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच आईपीएल का 41वां मुकाबला खेला गया। जिसमें एक बार फिर मुंबई इंडियंस को हार झेलनी पड़ी। या यूं कहें कि, आईपीएल 26 में मुंबई की हार का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। इस दौरान मुंबई ने वानखेड़े में 243 का सर्वोच्च स्कोर इस दौरान मुंबई की तरफ से रियान रिकल्टन ने 123 रन की पारी खेली जो कि बाद में बेकार गई।

ट्रेविस हेड (76) के साथ ही अभिषेक शर्मा और हेनरिक क्लासेन की बल्लेबाजी के कारण हैदराबाद ने 18.4 ओवर में 6 विकेट से मुकाबला जीत लिया। हैदराबाद की ये लगातार 5वीं जीत है जबकि मुंबई की इस सीजन की छठी हार है।244 रन का पीछा करने उतरी हैदराबाद को अभिषेक शर्मा और ट्रेविस हेड ने दमदार शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी हुई। दोनों ने 52 गेंदों में 192 रन जोड़े। इसके बाद अगली 6 गेंदों पर टीम को 3 झटके लगे और मुंबई की मैच में वापसी हुई। गजनफर ने हैदराबाद को 2 झटके दिए। 9वें ओवर की चौथी गेंद पर उन्होंने अभिषेक और 5वीं गेंद पर ईशान किशन को पवेलियन भेजा। वहीं 1०वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने ट्रेविस हेड को आउट किया। इस दौरान हेड ने 30 गेंदों में 76 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 4 चौके और 8 छक्के लगाए। इसके बाद हेनरिक क्लासेन और नीतिश रेड्डी ने पारी को संभाला। दोनों के बीच 40 गेंदों में 80 रन की पार्टनरशिप हुई।

क्विंटन डिकॉक की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल रिकल्टन ने इस मौके को हाथ से नहीं जाने दिया और अपने आईपीएल करियर का पहला शतक जड़ते हुए टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। हालांकि, इस दौरान रिकल्टन के साथ बतौर ओपनर जोड़ी विल जैक्स की रही। ये प्रयोग पूरी तरह सफल रहा। दोनों ने पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े और पावरप्ले में ही 78 रन बनाकर टीम को बेहतरीन शुरुआत दिलाई।

रिकल्टन ने केवल 44 गेंद में शतक किया पूरा

वहीं टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई की टीम की शुरुआत दमदार रही। रिकल्टन ने केवल 55 गेंदों में नाबाद 123 रन की पारी खेली। इसमें 10 चौके और आठ छक्के भी शामिल रहे। रिकल्टन ने केवल 44 गेंद में शतक पूरा किया जो मुंबई की ओर से सबसे तेज शतक है।

यूपी विधानमंडल का सत्र शुरू, विपक्ष ने किए सरकार पर प्रहार

सरकार महिला आरक्षण लागू नहीं करना चाहती : माता प्रसाद पांडेय

सपा नेताओं का महिला आरक्षण लागू करने को लेकर प्रदर्शन

» वेल में आकर पक्ष-विपक्ष ने एक दूसरे के खिलाफ की नारेबाजी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानमंडल का विशेष सत्र महिला आरक्षण बिल को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ। सपा ने भाजपा पर बिल लागू न करने और महिला विरोधी मानसिकता का आरोप लगाकर विधान भवन की वेल में आकर भाजपा सरकार को घेरा। वहीं सदन शुरू होते ही सपा के नेताओं ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। यूपी विधानमंडल का विशेष सत्र गुरुवार को 11 बजे हंगामे के साथ शुरू हुआ। विधानमंडल के विशेष सत्र के शुभारंभ होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के लोग आमने-सामने आ गए और महिला आरक्षण बिल को लेकर जमकर हंगामा हुआ।

विधानसभा के बाहर भी सपा के नेताओं ने महिला आरक्षण बिल के संबंध में लिखी तख्तियां हाथों में लेकर नरेबाजी और हंगामा किया। नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने कहा, हम इसलिए विरोध कर रहे हैं क्योंकि सरकार महिला आरक्षण लागू नहीं करना चाहती जबकि विधेयक पहले ही पारित हो चुका है। समाजवादी पार्टी व कांग्रेस द्वारा लोकसभा में महिला आरक्षण विधेयक पारित नहीं होने देने के विरोध में आज यूपी विधानमंडल का विशेष सत्र आयोजित किया जा रहा है। विशेष सत्र के दौरान भाजपा निंदा प्रस्ताव लेकर आएगी। विशेष सत्र के पहले सीएम योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित किया। विधानमंडल के विशेष सत्र के शुभारंभ होते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के लोग आमने-सामने आ गए और वेल में आकर एक दूसरे के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने भाजपा विधायकों को शांत करवाया।

अखिलेश बोले- भाजपा की मानसिकता महिला विरोधी

उधर, अखिलेश यादव ने ट्वीट कर लिखा, भाजपा के लोग महिला मुद्दों को प्राथमिकता मानने का दावा करते हैं, लेकिन सच तो यह है कि उनकी मानसिकता महिला विरोधी है। वहीं विशेष सत्र में शामिल होने के लिए पहुंचे सपा विधायकों ने पीएम मोदी की तस्वीर लगाकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण विधेयक लागू किया जाए। सदन के विशेष सत्र में शमिल होने के लिए पहुंचे सपा विधायकों ने महिला आरक्षण को लागू करने की मांग की और सदन की गैलरी में तख्ती लेकर पहुंचे।

महिला आरक्षण पर भाजपा विधायकों ने किया पैदल मार्च

महिला आरक्षण विधेयक को लेकर भाजपा की महिला विधायकों ने पैदल मार्च किया और विपक्षी दलों के खिलाफ नारेबाजी की। भाजपा की महिलाओं ने भी महिला आरक्षण की मांग करते हुए सदन में नारेबाजी की। भाजपा विधायक भी तख्ती लेकर सदन में पहुंची हुई थीं।

कांग्रेस की दुर्गति का कारण महिलाओं का श्राप : योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की दुर्गति का कारण महिलाओं का श्राप है। अब सपा भी उसी ओर अग्रसर है। शाहबानो के मामले में सबने देखा। सपा-कांग्रेस का आचरण मौलवियों के सामने घुटने टेककर नाक रगड़ने की प्रवृत्ति है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में स्टार्ट अप योजना शुरू की गई जिसमें महिलाओं की बड़ी भागीदारी है। लखपति दीदी के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक स्वावलंबन देने में सहायता की गई। कहा कि जब इन लोगों को लगा कि यूपीए से काम नहीं चलेगा तो इंडी गठबंधन बनाया। सपा-कांग्रेस ने हमेशा ही महिलाओं के स्वावलंबन का विरोध किया और इसमें बाधा बने। इन लोगों का चेहरा बोलने का कुछ और दिखाने का कुछ और है लेकिन पूरा देश और प्रदेश आप लोगों के कारनामों को जानता है। सपा के लोगों का आचरण स्टेट गेस्ट हाउस कांड के दौरान सभी ने देखा तब भाजपा के लोग आगे बढ़े कि एक दलित की बेटी को सम्मान मिले।

मप्र के धार में दर्दनाक सड़क हादसा, 16 लोगों की मौत

» ठूंस-ठूंसकर श्रमिकों को पिकअप में बैठाया गया था 15 घायलों का उपचार जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश के धार में 50 मजदूरों से भरे पिकअप वाहन की स्कॉर्पियो से हुई टक्कर ने 16 जिंदगियां छीन लीं। 10 लोग अभी-भी अति गंभीर रूप से घायल हैं। इंदौर में उनका उपचार चल रहा है। हादसा चिकलिया स्थित रिलायंस पेट्रोल पंप के पास देर रात हुआ। मजदूरों से भरा एक पिकअप वाहन अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। पिकअप वाहन में क्षमता से अधिक मजदूर सवार बताए जा रहे हैं। वाहन पलटने के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और अफरा-तफरी का माहौल बन गया। हादसा इतना भीषण था कि मौके पर ही पांच लोगों की मौत हो गई थी। गुरुवार सुबह मिले अपडेट के मुताबिक मृतकों का आंकड़ा 16 हो गया है, जबकि 15 लोग घायल हुए हैं। इनमें से 10 अति गंभीर घायलों को इंदौर रेफर किया गया है।

यह पिकअप वाहन धार से अमझेरा की ओर जा रहा था। तभी ओवरलोड पिकअप वाहन असंतुलित होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया, फिर सामने से आ रही स्कॉर्पियो से जा भिड़ा। टक्कर इतनी भीषण थी कि कई श्रमिक वाहन के नीचे दब गए। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। स्थानीय लोगों और राहगीरों ने घायलों को निकाला। हालात कैसे थे, इस बात का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि जब इतनी बड़ी संख्या में घायलों को जिला अस्पताल एक साथ पहुंचाया गया, तो वहां जगह कम पड़ गई। घायलों को जमीन पर लिटाकर इलाज करना पड़ा। हालांकि, घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था करते हुए सभी घायलों का समुचित इलाज शुरू किया। रात में केंद्रीय राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर सहित इंदौर संभागायुक्त सुदामा खाड़े एवं इंदौर रेंज के महानिरीक्षक अनुराग भी पहुंचे।

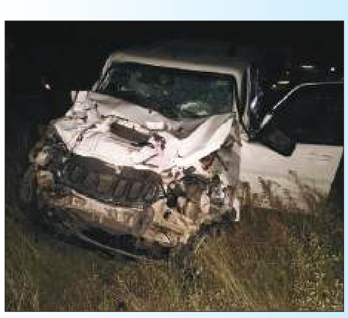

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चलती कार में लगी आग, 5 लोग जिंदा जले

जिले के लक्ष्मणगढ़ थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर बुधवार देर रात चलती कार में अचानक आग लगने से पांच लोगों की जिंदा जलकर मौत हो गई, जबकि चालक गंभीर रूप से झुलस गया। डीएसपी कैलाश जिंदल के अनुसार हादसा रात करीब 1 बजे मौजपुर के पास पिलर नंबर 115/300 पर हुआ। कार दिल्ली से कोटा की ओर जा रही थी, तभी उसमें आग लग गई और कुछ ही मिनटों में पूरी कार आग का गोला बन गई। हादसा इतना अचानक हुआ कि अंदर बैठे लोगों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। कार में मध्यप्रदेश के श्योपुर निवासी तीन महिलाएं, एक बच्ची और एक पुरुष सवार थे, जिनकी मौके पर ही जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं चालक विनोद कुमार मेहर किसी तरह कार से कूदकर बाहर निकल गया लेकिन वह करीब 80 प्रतिशत झुलस गया। सूचना मिलने पर एनएचएआई पेट्रोलिंग टीम और एंबुलेंस मौके पर पहुंची। लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस का जाप्ता और एसएचओ नेकीराम भी घटनास्थल पर पहुंचे और दमकल को बुलाया गया।

ईरान ने दी अमेरिका को कड़ी चेतावनी

» ट्रंप नाकेबंदी हटाएं, नहीं तो ऐसे हथियार से सामना कराएंगे की हार्ट अटैक आ जाएगा : एडमिरल शहराम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका और इजरायल के साथ जारी तनाव के बीच ईरान ने बड़ा बयान देते हुए दावा किया है कि वह जल्द ही ऐसा नया हथियार इस्तेमाल करेगा, जिससे दुश्मन देश डरते हैं और उन्हें दिल का दौरा तक पड़ सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के उस प्रस्ताव को खारिज कर दिया, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के बदले अमेरिकी नाकेबंदी हटाने की बात कही गई थी।

ईरान की नौसेना के कमांडर रियर एडमिरल शहराम ईरानी ने सरकारी मीडिया से बातचीत में कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक बहुत जल्द दुश्मन ताकतों का सामना ऐसे हथियार से कराएगा, जिससे वे बेहद डरते हैं, उन्होंने कहा, यह हथियार उनके बेहद करीब है। उम्मीद है उन्हें दिल का दौरा नहीं पड़ेगा। ईरानी कमांडर ने ट्रंप प्रशासन की उस रणनीति पर भी निशाना साधा, जिसमें आर्थिक दबाव बनाकर ईरान को बातचीत के लिए मजबूर करने की कोशिश की जा रही है. उन्होंने कहा कि दुश्मनों ने सोचा था कि वे कम समय में अपने मकसद में कामयाब हो जाएंगे, लेकिन अब यह सोच सैन्य अकादमियों में मजाक बन गई है।

अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर 100 से अधिक जवाबी हमले

ईरान ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद उसने मध्य पूर्व में अमेरिकी और इजरायली ठिकानों पर 100 से अधिक जवाबी हमले किए हैं। इसके अलावा ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को दुश्मन देशों और उनके सहयोगियों के जहाजों के लिए बंद कर दिया है। अब जहाजों को गुजरने के लिए ईरानी अधिकारियों से अनुमति लेनी पड़ रही है. ईरान का दावा है कि यह कदम अमेरिकी नाकेबंदी के जवाब में उठाया गया. ईरान ने अमेरिकी बलों पर अपने जहाजों को जब्त करने और चालक दल को बंधक बनाने का आरोप लगाया है. कमांडर ने इसे समुद्री डकैती और बंधक बनाना करार देते हुए कहा कि अमेरिकी कार्रवाई सोमाली लुटेरों से भी बदतर है।

निर्माणधीन भवन की मिट्टी के धसने से एक मजदूर की मौत, एक घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान चौराहा निकट एनटीपीसी भवन के पास निर्माणाधीन भवन के मिट्टी के नीचे दो मजदूर दब गए। मौके पर अग्निशमन विभाग लखनऊ द्वारा राहत एवं बचाव कार्य जारी किया गया। दमकल कर्मियों द्वारा रेस्क्यू कर दोनो को बाहर निकाला गया। दोनों को हॉस्पिटल भेजा गया जहां डॉक्टरों द्वारा एक मजदूर को मृत घोषित किया गया। एक मजदूर जो मामूली रूप से घायल है उसका इलाज जारी है। मृतक मजदूर की शिनाख्त लक्ष्मी शंकर जो की बाराबंकी का रहने वाला था हुई है । बॉडी को पोस्टमार्टम के लिये भेजा गया पुलिस द्वारा आगे की जांच जारी है।

बेंगलुरु में भारी बारिश का कहर! 8 की मौत

» सड़कें बनीं नदियां, जारी किया गया अलर्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। बेंगलुरु में हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि ने शहर में भारी तबाही मचाई है, जिससे जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। इस प्राकृतिक आपदा के कारण दीवार गिरने और करंट लगने जैसी घटनाओं में अब तक आठ लोगों की जान जा चुकी है, जिनमें एक मासूम बच्चा भी शामिल है। भारी बारिश के चलते विधान सौध जैसी महत्वपूर्ण इमारतों और रिहायशी इलाकों में कमर तक पानी भर गया, जबकि दर्जनों स्थानों पर पेड़ उखड़ने से यातायात और बिजली आपूर्ति ठप हो गई।

सरकार ने मृतकों के परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर शहर के बुनियादी ढांचे और ड्रेनेज सिस्टम की कमजोरियों को उजागर कर दिया है। अस्पताल परिसर के पास बनी एक बगल की इमारत की कंपाउंड वॉल (दीवार) ढह गई और सड़क किनारे खड़े उन विक्रेताओं और पैदल चलने वालों पर गिर गई, जिन्होंने बारिश से बचने के लिए वहां शरण ली थी। बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और बचाव अभियान शुरू किया, जबकि अधिकारियों ने मलबा हटाने और दीवार गिरने के कारणों का पता लगाने का काम शुरू कर दिया। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने घटनास्थल का दौरा किया और इस घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के लिए 5 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। विधि सलाहकार : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | Email : daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।
स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा